

आपातकालीन गो-वंश जीवन रक्षा एवं मूल्य संवर्धन परियोजना

Emergency Drought Relief & High-Yield Indigenous Cattle Asset Creation Program (2026-27)

1. कार्यकारी सारांश (Executive Summary)

वर्ष 2026 में पश्चिमी राजस्थान (जैसलमेर, बाड़मेर आदि) में अल्प वर्षा के कारण गंभीर चारे का अकाल पड़ा है। पशुपालक चारे की भीषण महंगाई के कारण गो-वंश को जंगलों में लावारिस छोड़ने पर विवश हैं। आने वाला शीत ऋतु संकट इन भूखी और असहाय गायों के लिए प्राणघातक सिद्ध हो सकता है। पंचायत चुनावों के कारण सरकारी अकाल राहत शिविर (Cattle Relief Camps) दिसंबर से पूर्व चालू होना संभव नहीं है।

यह परियोजना आगामी 2 महीनों (अक्टूबर-नवंबर) के आपातकालीन अंतराल (Bridge Phase) को पार करने के लिए निजी निवेशक पूंजी का आह्वान करती है। 1 बड़ा ट्रक सूखा चारा निवेश करके 30 बेसहारा गायों का कानूनी अधिग्रहण किया जाएगा। दिसंबर में सरकारी राहत शिविर में सम्मिलित कराकर तथा अपने स्तर पर हरा चारा उत्पादन व चिकित्सा पोषण देकर, **जुलाई 2027 तक प्रत्येक गाय का मूल्य ₹80,000 तक संवर्धित** किया जाएगा। यह योजना दान (Donation) पर निर्भर न रहकर **आत्मनिर्भर पूंजी निर्माण और उच्च वित्तीय प्रतिफल (6x Asset Multiple)** सुनिश्चित करती है।

2. वर्तमान जमीनी संकट एवं तात्कालिक आवश्यकता (Ground Reality)

- प्रशासनिक शून्यता व चुनाव:** वर्तमान में राजस्थान में पंचायत चुनाव प्रक्रिया के कारण स्थानीय स्तर पर कोई भी राहत एजेंसी सक्रिय नहीं है। सरकारी राहत शिविर दिसंबर तक ही घोषित हो सकेंगे।
- शीत ऋतु का आसन्न खतरा:** नवंबर उपरांत पड़ने वाली कड़ाके की ठंड (Severe Cold Wave) में भूखी, कमजोर और निर्जीवित गायों की सामूहिक मृत्यु का गंभीर अंदेशा है।
- कानूनी स्वामित्व परित्याग (₹100 स्टाम्प पेपर):** जो भी पशुपालक गाय छोड़ेगा, वह ₹100 के कानूनी स्टाम्प पेपर पर स्वामित्व परित्याग का शपथ पत्र देगा। संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी, जिससे ये उच्च नस्ल की गायें कानूनी रूप से संस्था एवं निवेशक की संपत्ति बनेंगी।

3. परिचालन रणनीति एवं वैज्ञानिक चारा गणित (Fodder Logistics & Math)

इस परियोजना का संपूर्ण इनपुट-आउटपुट गणित जमीनी धरातल और वैज्ञानिक मानकों पर आधारित है:

- बड़े ट्रक की वास्तविक क्षमता:** पंजाब एवं हरियाणा से मंगाए जाने वाले 1 बड़े ट्रक लोड में **20 टन (200 क्विंटल = 20,000 किलोग्राम)** सूखा चारा आता है।
- दैनिक जैविक खपत:** 1 गाय को संकटकाल में स्वस्थ व जीवित रखने के लिए प्रतिदिन 10 किग्रा सूखे चारे की आवश्यकता होती है।
- सटीक निर्वह चक्र:** 30 गायों के लिए 2 माह (60 दिन) की कुल खपत = $30 \times 10 \text{ किग्रा} \times 60 \text{ दिन} = 18,000 \text{ किग्रा}$ (18 टन)। अतः 1 बड़ा ट्रक (20 टन) 30 गायों के 2 महीने के निर्वह के लिए 2,000 किग्रा बफर के साथ शत-प्रतिशत पर्याप्त है।
- सरकारी परिवहन सब्सिडी लाभ:** अक्टूबर माह से खुले सरकारी चारा डिपो के माध्यम से परिवहन (Transportation) खर्च सरकारी तंत्र वहन करता है, जिससे निवेशक की पूंजी केवल चारे की मूल लागत में लगती है।

4. साझेदारी एवं 50:50 ओनरशिप मॉडल (Investment & Partnership Model)

₹2.00 लाख की प्रारंभिक निवेशक इकाई से 30 उच्च कोटि की स्वदेशी गायों का कानूनी स्वामित्व प्राप्त होगा:

संरचना घटक	विवरण	स्वामित्व अनुपात
कुल अधिग्रहीत गो-वंश	30 गायें (थारपारकर / राठी / कांकरेज संकर)	100%
निवेशक का हिस्सा (Investor Share)	15 गायें (संपूर्ण कानूनी मालिकाना हक)	50%
संस्था / कंपनी का हिस्सा (GoVedic Share)	15 गायें (प्रबंधन व दीर्घकालिक सेवा)	50%
दिसंबर से सरकारी राहत शिविर लाभ	दिसंबर से जुलाई तक सूखा चारा + 2 किग्रा दाना प्रतिदिन	₹0 अतिरिक्त खर्च (सरकारी अनुदान)
संस्था द्वारा मूल्य संवर्धन (Value Addition)	अपने स्तर पर नेपियर/सूडान हरे चारे की खेती व विशेष पशु चिकित्सा	स्वास्थ्य व दूध क्षमता में तीव्र सुधार

5. वित्तीय विश्लेषण एवं परिसंपत्ति मूल्य सृजन (Financial Feasibility)

यह विश्लेषण भ्रामक गणनाओं को हटाकर, वास्तविक ₹80,000 प्रति स्वस्थ गाय के बाजार मूल्य पर आधारित है:

मद विवरण (Item Description)	आंकड़े / लागत (रुपये में)	टिप्पणी
1 बड़ा ट्रक चारा लागत (20 टन - पंजाब/हरियाणा मंडी)	₹ 1,50,000	परिवहन खर्च सरकारी चारा डिपो द्वारा वहन
प्राथमिक मेडिकल किट, शेल्टर व जल व्यवस्था	₹ 50,000	आपातकालीन हाइड्रेशन, डीवर्मिंग व ऑन-साइट लेबर
कुल प्रारंभिक निवेशक पूंजी (Total Initial Investment)	₹ 2,00,000 (2.00 लाख)	प्रति निवेशक यूनिट (15 गायें शुद्ध आवंटन)
दिसंबर से जुलाई तक चारा एवं दाना खर्च	₹ 0	सरकारी कैटल रिलीफ कैंप द्वारा पूर्ण आपूर्ति
8 महीने में संस्था द्वारा विशेष हरा चारा व उपचार	संस्था द्वारा वहन	कंपनी के 50% हिस्से की गायों के मूल्य से समायोजित
जुलाई 2027 तक प्रति गाय प्रमाणित बाजार मूल्य	₹ 80,000	पूर्णतः स्वस्थ, उन्नत दुधारु गो-वंश का यथार्थवादी मूल्य
निवेशक की 15 गायों का कुल परिसंपत्ति मूल्य (Gross Value)	₹ 12,00,000 (12.00 लाख)	15 गायें × ₹80,000
निवेशक का शुद्ध परिसंपत्ति लाभ (Net Value Generated)	₹ 10,00,000 (10.00 लाख)	₹12 लाख (सकल मूल्य) - ₹2 लाख (मूल निवेश)

वित्तीय निष्कर्ष: मात्र ₹2.00 लाख के प्रारंभिक निवेश पर निवेशक 8 महीनों में **₹12.00 लाख की शुद्ध परिसंपत्ति (6x Asset Multiple)** का स्वामी बनता है। यह आपदा को आत्मनिर्भर अवसर में बदलने का अद्वितीय मॉडल है।

6. ऐतिहासिक ट्रैक रिकॉर्ड एवं सिद्ध अनुभव (Proven Track Record)

यह मॉडल किसी कागजी कल्पना पर आधारित नहीं है। परियोजना निदेशक एवं मेंटर **भक्तिवत्सल दास** के नेतृत्व में पूर्व में दो बार इसका सफल क्रियान्वयन हो चुका है:

- वर्ष 2004 का भीषण अकाल:** पंजीकृत 'भक्ति वेदांत गौशाला' के माध्यम से राजस्थान सरकार से 1,000 मरणासन्न गायों के पालन की आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त की गई। पंजाब से चारे के कई ट्रक और 50 ट्रक गन्ने मंगाकर अगले जुलाई तक **1,300 पूर्णतः स्वस्थ गायों** का संवर्धन किया गया, जिन्हें मोहनगढ़ के किसानों में वितरित किया गया।
- वर्ष 2011 का सूखा:** 200 गायों के साथ द्वितीय कैम्प का शत-प्रतिशत सफल संचालन किया गया।

7. निवेशक तरलता एवं निकास रणनीति (Exit Strategy)

- आंतरिक खरीद (AACP / AAXP / AABP Integration):** जुलाई तक स्वस्थ हो चुकी इन उच्च नस्ल की गायों को GoVedic Agro के आगामी ब्रीडिंग एवं वैदिक फार्मिंग प्रोजेक्ट्स में सीधे खरीद लिया जाएगा, जिससे निवेशक को तत्काल कैश लिक्विडिटी मिलेगी और कंपनी को बाहरी मंडी से महंगी गाय खरीदने से बचत होगी।
- ओपन मार्केट / डेयरी फेडरेशन बिक्री:** निवेशक अपनी 15 गायों को किसी भी प्रगतिशील किसान अथवा डेयरी संघ को बाजार मूल्य पर बेचने के लिए पूर्णतः स्वतंत्र रहेगा।
- स्थायी डेयरी / ब्रीडिंग शेयरिंग:** निवेशक चाहें तो अपनी 15 गायों को गौशाला में रखकर A2 दूध, पंचगव्य एवं उन्नत बछड़ों के वार्षिक लाभों में भागीदार बन सकते हैं।

8. कानूनी एवं जोखिम शमन ढांचा (Legal & Risk Framework)

- स्वामित्व सुरक्षा:** ₹100 के कानूनी स्टाम्प पेपर पर पूर्ण स्वामित्व परित्याग शपथ पत्र तथा वीडियोग्राफी से भविष्य का हर विवाद पूरी तरह समाप्त।
- बायोसिक्योरिटी व ईयर टैगिंग:** कैम्प में प्रवेश करते ही प्रत्येक गाय को डिजिटल ईयर टैग (UID) और अनिवार्य टीकाकरण।
- प्रशासनिक ऑनबोर्डिंग:** चुनाव उपरांत दिसंबर में आधिकारिक राहत शिविर सूची में विधिवत पंजीयन।